

कायलिय आपुनत उच्च शिक्षा संप्रदान, अज्ञासकीय शैक्षणिक संस्थाओं से संबंधित शाखा विन्दिती भवन, प्रयागला हिल्स, श्रीप्रमन-

127
6/8/99

प्रमाण-पत्र
=====

अधिनियम 1973 के प्रावधान 26 II के अंतर्गत:

बाबा साहब अम्बेडकर महाविद्यालय, भीपाल ।

वार्ध,

त्र क्रमांक - दिनांक 24.7.97 द्वारा इस विभाग को अधिनियम 1973 की धारा 26 II के अंतर्गत महाविद्यालय में

1999-2000 से तथा अज्ञासकीय महाविद्यालय में निम्नलिखित अतिरिक्त की कार्यएं प्रारंभ किए जाने के लिए आचेदन- पत्र प्रेषित किया है ।

- 1. पी.पी.टी. प्रथम 2. बी.ए. प्रथम में समाजशास्त्र राजनीतिशास्त्र 1999-2000
- 3. पी.पी.टी. प्रथम में भाषाशास्त्र 4. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र
- 5. पी.पी.टी. प्रथम में वायुमित्री 6. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र
- 7. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र 8. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र
- 9. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र 10. पी.पी.टी. प्रथम में अर्थशास्त्र

उक्त आचेदन पत्र निरीक्षण समिति के प्रतिवेदन दिनांक 24.7.97 पर करने के उपरान्त यह विभाग संतुष्ट है कि वि.वि. की विद्वत परिषद के प्रावधान 26 II के अंतर्गत अधिनियम 1973 के अंतर्गत पुथक कार्य परिषद वि.वि. अधिनियम के प्रावधान 24 II के अंतर्गत एक वर्ष के लिए अर्थात् प्रि दी जाये कि यह संस्था के आचेदन पर विचार करे.

प्रगति शिक्षण समिति भीपाल ।

अतः यह विभाग यह प्रमाण-पत्र प्राचार्य/अध्यक्ष, शारी-निकमय महाविद्यालय / समिति को प्रदान करता है, जिससे कि यह वि.वि. अधिनियम धारा 26 II के प्रावधानों के अनुसार इस प्रमाण-पत्र के साथ आचेदन प्रमाण-पत्रों निम्नानुसार है:

प्रमाण-पत्र से प्रवेश प्रारंभ करने के लिए पूर्ण शैक्षणिक स्टाफ की पूरी व्यवस्था हो.

योगशाला की संपूर्ण सुविधाएं प्रवेश प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण की जायें जिससे सत्र प्रारंभ होने पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हों.

संस्था वित्तीय संसाधनों की जानकारी इस कायलिय को माह में उपलब्ध कराये तथा इससे आवश्यक प्रमाणित दरतावेज इस कायलिय को उपलब्ध कराये तीन वर्षों के अनुमानित बजट प्रस्ताव की जानकारी दें.

128

संस्था में प्राचार्य की नियुक्ति होना आवश्यक है। यह अनुमति प्रमाण पत्र अस्थायी है, संस्था द्वारा समस्त पूर्तियाँ की जाने पर इस कार्यालय को सूचित किया जाये ताकि अस्थाई अनुमति प्रमाण-पत्र पर विचार कर स्थायी करने का निर्णय लिया जाये।

महाविद्यालय शासन से भविष्य में कोई अनुदान की मांग नहीं करेगा। महाविद्यालय को नौ प्रोफिट नो लॉस के आधार पर चलाया जायेगा। प्रोफिट मेरिट के आधार पर दिया जायेगा।

समानुक्रम में आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्र- छात्राओं को प्रोफिट दिया जाना चाहिए। चाहे उनका भार उन पर डाला जाये जिनकी आर्थिक रूप से भुगतान करने की क्षमता अधिक है।

शासन के निर्देशों एवं समय-समय पर दिये गये निर्देशों का पूर्णतः पालन करवा होगा।

वी.एस.सी. कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विषयों के लिए तथा पी.एच.डी.सी.ओ.ए. के लिए प्रयोगशाला, उपकरण, पुस्तकें आदि की विस्तृत जानकारी तक उपलब्ध कराये।

OIL
प्रतिरिक्त संवाक्य
6/8/99
वास्ते, आयुक्त, उच्चशिक्षा।म.प्र. भो.।

संक्रं० 3825

भोपाल, दिनांक:- 6-8-99

प्रतिलिपि:-
प्रति शिक्षण समिति छात्रावास प्रमाण-पत्र, लखनऊ विभागीय, वी.एस.सी.ओ.ए. भोपाल।

- 1. **अध्यक्ष** को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 2. कुलसचिव, **लखनऊ विद्यालय, भोपाल** को सूचनार्थ एवं धारा- 24(1) के अंतर्गत शीघ्र प्रतिवेदन भेजने हेतु।

3. सचिव, म.प्र. शासन, उच्चशिक्षा विभाग को उनके पत्र क्रमांक-

दिनांक के संदर्भ में सूचनार्थ।

टिप्पणी: यह प्रमाण-पत्र किसी संस्था को विषय प्रारंभ करने/ नहीं कराने आरंभ करने के लिए अधिकृत नहीं करता, जब तक विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-24 (1) के अंतर्गत सम्बद्धता प्रदान नहीं करता।

OIL

SN Sharma
6/8/99
प्रतिरिक्त संवाक्य
6/8/99